''बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ''

JAYOTI VIDYAPEETH WOMEN'S UNIVERSITY, JAIPUR

Faculty of Education & Methodology

Faculty Name - JV'n Chanda kumawat
(Assistant Professor)

Program - 3 Semester / Year M.A)

Course Name - HINDI kavya

Session No. & Name - 1.1- 0.1 **(तुलसीदास का जीवन – परिचय)**

Academic Day starts with – 10.8.23 **THURDAY**

PLANNING AND STARTED

(Basic Knowledge For Student)

तुलसीदास का जीवन – परिचय

तुलसीदास जी एक बैरागी साधू, हिंदी साहित्य के महान कवि, साहित्यकार एवं दार्शनिक थे। तुलसीदास जी ने अपने जीवन काल में रामभक्ति में लीन रहकर अनेकों ग्रंथों की रचनाएं कीं। तुलसीदास द्वारा रचित **"रामचरितमानस"** एक पुरातन पौराणिक बहुप्रसिद्ध ग्रंथ है।

तुलसीदास जी ने रामचरितमानस के अलावा, वाल्मीकि ऋषि, गीतवाली, दोहावली, संस्कृत रामायण आदि काव्यों की रचना की थी। तुलसीदास जी भगवान राम के सच्चे भक्त एवं अनुयायी थे।

तुलसीदास जी का शुरूआती जीवन -

- ऐतिहासिक जानकारी और साक्ष्य के आधार पर बात करें तो गोस्वामी तुलसीदास जी का जन्म 1511 ईस्वी में कासगंज , उत्तर प्रदेश में एक सर्यूपारिय ब्राह्मण परिवार में हुआ था। लेकिन कुछ विद्वान मानते हैं की तुलसीदास जी का जन्म राजापुर जिले के चित्रकूट में हुआ था।
- मुग़ल शासक अकबर को तुलसीदास जी का समकालीन सम्राट माना जाता है। तुलसीदास जी के पिता का नाम आत्मा राम शुक्ल दुबे एवं माता जी का नाम हुलसी दुबे था तुलसीदास जी की माता एक आध्यात्मिक महिला एवं गृहणी थीं।
- तुलसीदास जी के जन्म के संबंध में एक बहुत ही चर्चित प्रसंग सुनने को मिलता है की तुलसीदास जन्म के समय 12 माह तक अपनी मां के गर्भ में थे। जब तुलसीदास जी का जन्म हुआ तो वह काफी हष्ट पुष्ट बालक के रूप में दिखाई दे रहे थे एवं तुलसीदास जी के मुंह में दांत थे।

- अपने जन्म के साथ ही तुलसीदास ने राम नाम लेना शुरू कर दिया था। जिस कारण तुलसीदास जी के बचपन का नाम "**रामबोला**" पड़ गया। जन्म की यह सब घटनाएं देख उनके आस पास के रहने वाले लोग बहुत ही आश्चर्य चकित थे।

तुलसीदास जी की शिक्षा -

- तुलसीदास जी की प्रारम्भिक शिक्षा उनके गुरु नर सिंह दास जी के आश्रम में हुई थी। जब तुलसीदास जी 7 वर्ष के थे तो उनके माता-पिता ने प्रारंभिक शिक्षा-दीक्षा के लिए श्री अनन्तानन्द जी के प्रिय शिष्य श्रीनरहर्यानन्द जी (नरहरि बाबा) के आश्रम भेज दिया था।
- नर सिंह बाबा जी के आश्रम में रहते हुए तुलसीदास जी ने 14 से 15 साल की उम्र तक सनातन धर्म, संस्कृत, व्याकरण, हिन्दू साहित्य, वेद दर्शन, छः वेदांग, ज्योतिष शास्त्र आदि की शिक्षा प्राप्त की।
- रामबोला के गुरु नर सिंह दास ने ही रामबोला का नाम गोस्वामी तुलसीदास रखा था।

तुलसीदास जी की प्रसिद्ध रचनायें -

अपने 112 वर्ष के लम्बे जीवन काल में अनेकों काव्य रचनाएं की ।

1. **गीतावली:** तुलसीदास जी ने अपनी रचना गीतवाली में रामायण के प्रसिद्ध प्रसंग भरत और राम के मिलन को गीत के रूप में प्रदर्शित किया है। यह काव्य रामचरितमानस का

ही एक भाग है। गीत में आपको रामायण के उत्तरकाण्ड कथा की झलक देखने को मिलती है।

2. **दोहावली:** दोहावली काव्य रचना में तुलसीदास ने भगवान राम के चरित्र का वर्णन किया है। चरित्र वर्णन के साथ तुलसीदास जी ने इस काव्य में भगवान राम के मनमोहक शांत स्वरुप को प्रदर्शित किया है।

3. **रामललानहछू**: तुलसीदास द्वारा रचित रामललानहछू: एक संस्कार गीतबद्ध काव्य है।

4. **जानकी मंगल**- इस रचना में गोस्वामी तुलसीदास जी ने माता सीता के बारे में बताया है।

तुलसीदास जी की मृत्यु 1680 ईस्वी में श्रावण कृष्ण तृतीया शनिवार को राम नाम का जाप करते हुए हो गई थी। अपने अंतिम समय में तुलसीदास जी ने विनय-पत्रिका नामक पुस्तक लिखी थी